मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

संस्कृत विभाग

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सेमेस्टर प्रणाली (CBCS)

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार)

विषय - संस्कृत

संकाय - मानविकी

2023-24 से प्रभावी

Level	Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Delivery Type			Total Hours	Credit	Internal Assessment	EoS Exam	M. M.	Remarks
					Lecture	Tutorial	Practical						
8	I	DCC	SAN8000T	वैदिक साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8001T	सांख्यदर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8002T	व्याकरण एवं अनुवाद	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8003T	काव्यशास्त्र एवं अलंकार	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8004T	रूपक साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8005T	स्मृति साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
	II	DCC	SAN8006T	उपनिषद् साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8007T	वेदान्त दर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8008T	व्याकरण एवं भाषाविज्ञान	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8009T	व्याकरण दर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	

			SAN8010T	महाकाव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास	L	T	-	60	2	20	80	100	
		GEC	SAN8100T	0. प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुराणेतिहास	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8101T	1.श्रीमद्भगवद्गीता, नीतिकाव्य एवं अनुवाद	L	T	-	60	4	20	80	100	
9	III	DCC	SAN9011T	न्यायदर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9012T	व्याकरण एवं व्याकरणशास्त्र का इतिहास	L	T	-	60	2	20	80	100	
		DSE-I	SAN9102T	2.काव्यशास्त्र	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9103T	3. योगदर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-II	SAN9104T	4.चम्पूसाहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	

			SAN9105T	5.वेदान्त दर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-III	SAN9106T	6.नाट्यशास्त्र	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9107T	7.मीमांसादर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
		GEC	SAN9108T	8.प्राचीन भारत में राजधर्म	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9109T	9. नीति एवं सुभाषित पद्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
	IV	DCC	SAN9013T	वैदिक व्याकरण एवं निरुक्त	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-IV	SAN9110T	10.काव्यप्रकाश	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9111T	11.न्यायदर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-V	SAN9112T	12. ध्वन्यालोक	L	T	-	60	4	20	80	100	

			SAN9113T	13.जैनदर्शन एवं बौद्धदर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-VI	SAN9114T	14.दशरूपकम्	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9115T	15. सांख्यदर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-VII	SAN9116T	16.उत्तररामचरितम्	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9117T	17.न्यायदर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-VIII	SAN9118T	18.गद्यकाव्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9119T	19.वेदान्तदर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	

एम.ए.संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8000T
पाठ्यक्रम क्रमांक	I
पाठ्यक्रम का नाम	वैदिक साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	वैदिक साहित्य के इतिहास ज्ञानसहित कतिपय संहिता सूक्तों के अध्ययन में निपुणता |
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी प्राचीन वैदिक संहिताओं के कतिपय सूक्तों एवं वैदिक साहित्य के इतिहास का अनुशीलन कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों में प्राचीन वैदिक संस्कृति एवं सदाचार की समझ विकसित होगी। 3. विद्यार्थी ज्ञान-विज्ञान के प्राचीन स्रोतों की तरफ उन्मुख हो सकेंगे। 4. विद्यार्थियों में वैदिक संस्कृत भाषा की समझ विकसित होगी।
पाठ्यक्रम	1. ऋग्वेदीय, शुक्लयजुर्वेदीय एवं अथर्ववेदीय सूक्त (कुछ चुने हुए सूक्त मात्र) 2. वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	ऋग्वेद संहिता से निम्नलिखित संवाद सूक्त- पुरुरवा उर्वशी (10.95), सरमा-पणि (10.108), विश्वामित्र नदी (3.33) (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त- वरुण (1.25), सूर्य (1.115), उषस् (3.61), पर्जन्य (5.83) (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त - अक्ष (10.34), ज्ञान (10.71), पुरुष (10.90), नासदीय (10.129) (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	शुक्लयजुर्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त - शिवसंकल्प, अध्याय-34 (1-6), प्रजापति, अध्याय 23 (1-5) तथा अथर्ववेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त - राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29), काल (19.53) (12 घण्टे)
पंचम इकाई	वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु निर्धारित हैं- वेदों का काल (मैक्समूलर, ए.वेबर, जैकोबी, बालगंगाधर तिलक, एम. विन्टरनिज तथा भारतीय परम्परागत विचार), संहिता साहित्य, ब्राह्मण साहित्य, आरण्यक साहित्य एवं वेदांग साहित्य (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. बृहद् ऋक्सूक्तसंग्रह, देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 2. वैदिक सूक्त संग्रह, गीताप्रेस, गोरखपुर 3. ऋग्वेद, संस्कृत साहित्य प्रकाशन, दिल्ली 4. यजुर्वेद संहिता, श्रीराम शर्मा आचार्य, युग निर्माण योजना प्रेस, मथुरा 5. अथर्ववेद संहिता, श्रीराम शर्मा आचार्य, युग निर्माण योजना प्रेस, मथुरा 6. अथर्ववेद, संस्कृत साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
सन्दर्भपुस्तकें	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

	2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 3. वैदिक साहित्य और संस्कृति, बलदेव उपाध्याय 4. वैदिक साहित्य का इतिहास, कुंवरलाल जैन, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली 5. पुरुषसूक्त : एक विवेचन, समी शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8001T
पाठ्यक्रम क्रमांक	II
पाठ्यक्रम का नाम	सांख्यदर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
उद्देश्य	भारतीय दर्शन शास्त्र की सांख्य दर्शन परंपरा का परिचय एवं प्रमुख ग्रन्थ सांख्यकारिका का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी सांख्य दर्शन के सार तत्त्व को समझ सकेंगे। 2. विद्यार्थियों की योगादि अन्य भारतीय दर्शनों की तरफ प्रवृत्ति हो सकेगी। 3. विद्यार्थियों में दर्शन विषय की ओर रुचि उत्पन्न होगी व जीवन में दार्शनिकता का प्रभाव हो सकेगा।
पाठ्यक्रम	ईश्वरकृष्णकृत सांख्यकारिका
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	सांख्यकारिका की 1 से 16 कारिकाएँ (12 घण्टे)

द्वितीय इकाई	सांख्यकारिका की 17 से 35 कारिकाएँ (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	सांख्यकारिका की 36 से 54 कारिकाएँ (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	सांख्यकारिका की 55 से 72 कारिकाएँ (12 घण्टे)
पंचम इकाई	ईश्वरकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, सांख्यदर्शन के इतिहास का सामान्य परिचय, सांख्यदर्शन का प्रतिपाद्य एवं महत्त्व (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. सांख्यकारिका - व्या. विमला कर्णाटक, चौखंबा पब्लिशर्स, वाराणसी 2. सांख्यकारिका - व्या. देवेंद्र नाथ पांडेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 3. सांख्यकारिका - व्या. ज्वाला प्रसाद गौड, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
सन्दर्भपुस्तकें	1. भारतीय दर्शन - जगदीश चंद्र मिश्र, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 2. सांख्य दर्शन का इतिहास, उदयवीर शास्त्री 3. सांख्यदर्शनम्, गजानन शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8002T
पाठ्यक्रम क्रमांक	III
पाठ्यक्रम का नाम	व्याकरण एवं अनुवाद
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	संस्कृत की व्याकरणशास्त्रपरंपरा में कारक प्रकरण के अधिगम के साथ संस्कृत अनुवाद में दक्षता प्राप्त करना।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी कारक प्रकरण के सूत्रों के ज्ञान के माध्यम से संस्कृत वाक्य निर्माण कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी अनुवाद करने में समर्थ होंगे। 3. विद्यार्थियों की संस्कृत व्याकरण की ओर प्रवृत्ति एवं समझ विकसित हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	1. कारक प्रकरण (वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी का) 2. वाच्यपरिवर्तन (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य) 3. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण - प्रथमा विभक्ति से द्वितीया विभक्ति पर्यन्त (12 घण्टे)

द्वितीय इकाई	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण - तृतीया विभक्ति से चतुर्थी विभक्ति पर्यन्त (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण - पंचमी विभक्ति से सप्तमी विभक्ति पर्यन्त (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	सरल संस्कृत वाक्यों का वाच्यपरिवर्तन (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य) (12 घण्टे)
पंचम इकाई	हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण), व्याख्याकार उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 2. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण), व्याख्याकार अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 3. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण), व्याख्याकार - गोविंद प्रसाद शर्मा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
सन्दर्भपुस्तकें	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या - पंचम भाग), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली 2. संस्कृत व्याकरण निकर, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा क्लासिकल, वाराणसी 3. अनुवाद चंद्रिका - ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 4. प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 5. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 6. वृहदनुवाद चन्द्रिका - चक्रधर नौटियाल हंस
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8003T
पाठ्यक्रम क्रमांक	IV
पाठ्यक्रम का नाम	काव्यशास्त्र एवं अलंकार
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	संस्कृत काव्यशास्त्र परंपरा के प्रमुख ग्रंथ साहित्यदर्पण एवं काव्यप्रकाश के कतिपय अंशों का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी काव्य की परिभाषा, प्रयोजन, शब्दशक्तियों एवं अलंकारों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों में काव्यशास्त्र की उपयोगिता की समझ विकसित होगी। 3. कवित्व प्रतिभा वाले विद्यार्थियों के काव्यकौशल में वृद्धि होगी। 4. विद्यार्थियों की अन्य काव्यशास्त्रीय ग्रन्थों की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	1. आचार्य विश्वनाथ विरचित साहित्यदर्पण - प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद

	2. आचार्य मम्मट विरचित काव्यप्रकाश - नवम एवं दशम उल्लास के कतिपय प्रमुख अलंकार
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	साहित्यदर्पण - प्रथम परिच्छेद (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	साहित्यदर्पण - द्वितीय परिच्छेद के प्रारम्भ से लक्षणा शब्दशक्ति तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	साहित्यदर्पण - द्वितीय परिच्छेद में व्यञ्जना शब्दशक्ति से द्वितीय परिच्छेद की समाप्ति तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	काव्यप्रकाश के निम्नलिखित अलङ्कारों का लक्षण एवं उदाहरण सहित अध्ययन - वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति एवं अपह्नुति (12 घण्टे)
पंचम इकाई	काव्यप्रकाश के निम्नलिखित अलङ्कारों का लक्षण एवं उदाहरण सहित अध्ययन - निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, विरोधाभास, संकर एवं संसृष्टि (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. साहित्यदर्पण, व्याख्याकार शेषराजशर्मा रेग्मी, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी 2. साहित्यदर्पण (1,2,3,6 परिच्छेद), व्याख्याकार भवानीशंकर शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर 3. साहित्यदर्पण, व्याख्याकार सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 4. काव्यप्रकाश, व्याख्याकार विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी 5. काव्यप्रकाश, व्याख्याकार श्रीनिवास शास्त्री, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
सन्दर्भपुस्तकें	1. संस्कृत काव्यशास्त्र एव काव्यांग, प्रीतिप्रभा गोयल, अरिहन्त प्रकाशन, जोधपुर

	2. साहित्यदर्पण परिशीलन, त्रिभुवन मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, सुशील कुमार डे, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8004T
पाठ्यक्रम क्रमांक	V
पाठ्यक्रम का नाम	रूपक साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	संस्कृत रूपक साहित्य के प्रसिद्ध ग्रन्थ मृच्छकटिकम् का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी महाकवि शूद्रक की नाट्यकला से परिचित हो सकेंगे। 2. विद्यार्थी मृच्छकटिककालीन समाज और संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 3. विद्यार्थियों की अन्य संस्कृत रूपक साहित्य की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी। 4. विद्यार्थियों का संस्कृत भाषा का प्रायोगिक एवं व्यावहारिक पक्ष मजबूत हो सकेगा।
पाठ्यक्रम	1. महाकवि शूद्रक विरचित मृच्छकटिकम्
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	मृच्छकटिकम् - प्रथम एवं द्वितीय अंक (12 घण्टे)

द्वितीय इकाई	मृच्छकटिकम् - तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम अंक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	मृच्छकटिकम् - षष्ठ, सप्तम एवं अष्टम अंक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	मृच्छकटिकम् - नवम एवं दशम अंक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	महाकवि शूद्रक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, महाकवि शूद्रक की नाट्यकला, मृच्छकटिकम् के पात्रों का परिचय एवं चरित्रचित्रण, मृच्छकटिकम् में प्रतिबिम्बित समाज तथा संस्कृति (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. मृच्छकटिकम्, व्याख्याकार जयशंकर लाल त्रिपाठी, चौखंबा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी 2. मृच्छकटिकम्, व्याख्याकार जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. मृच्छकटिकम्, व्याख्याकार शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर 4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी
सन्दर्भपुस्तकें	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 2. मृच्छकटिकम् के शास्त्रीय सन्दर्भ, आरुणेय मिश्र, अक्षय वट प्रकाशन, इलाहाबाद 3. मृच्छकटिकम् का भाव सौन्दर्य, वेदप्रकाश उपाध्याय, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8005T
पाठ्यक्रम क्रमांक	VI
पाठ्यक्रम का नाम	स्मृति साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	संस्कृत स्मृति साहित्य की प्रमुख स्मृतियों के अन्तर्गत मनुस्मृति एवं याज्ञवल्क्य स्मृति के कतिपय अध्यायों का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों को प्राचीन न्याय व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा। 3. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय संस्कृति को समझने में समर्थ हो सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. मनुस्मृति - प्रथम एवं द्वितीय अध्याय 2. याज्ञवल्क्यस्मृति - व्यवहाराध्याय का साधारणव्यवहारमातृका प्रकरण, असाधारणव्यवहारमातृका प्रकरण, ऋणादानप्रकरण, उपनिधिप्रकरण एवं साक्षिप्रकरण

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	मनुस्मृति - प्रथम अध्याय (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	मनुस्मृति - द्वितीय अध्याय (1 से 119 श्लोक तक) (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	मनुस्मृति - द्वितीय अध्याय (120 से अध्याय समाप्ति तक) (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	याज्ञवल्क्यस्मृति - व्यवहाराध्याय का साधारणव्यवहारमातृका प्रकरण एवं असाधारणव्यवहारमातृका प्रकरण (12 घण्टे)
पंचम इकाई	याज्ञवल्क्यस्मृति - व्यवहाराध्याय का ऋणादानप्रकरण, उपनिधिप्रकरण एवं साक्षिप्रकरण (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. मनुस्मृति, टीकाकार हरगोविन्द शास्त्री, चौखंबा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी 2. मनुस्मृति (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय), व्याख्याकार कमलनयन शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 3. मनुस्मृति, जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी 4. याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय), व्याख्याकार कमलनयन शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 5. याज्ञवल्क्यस्मृति, व्याख्याकार उमेश चंद्र पांडेय, चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8006T
पाठ्यक्रम क्रमांक	I
पाठ्यक्रम का नाम	उपनिषद् साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	वैदिक उपनिषद् साहित्य की प्रमुख उपनिषदों के अन्तर्गत ईश, केन एवं तैत्तिरीय उपनिषद् का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी वैदिक उपनिषद् साहित्य की प्रमुख उपनिषदों के अन्तर्गत ईश, केन एवं तैत्तिरीय उपनिषद् का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी वैदिक साहित्य के मर्म विषय उपनिषदों को समझ सकेंगे। 3. विद्यार्थियों की पाठ्यक्रमेतर उपनिषदों के अध्ययन की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी। 4. विद्यार्थियों में नैतिक गुणों का विकास होगा।
पाठ्यक्रम	1. ईशावास्योपनिषद् (शुक्लयजुर्वेदीय काण्वशाखीय) 2. केनोपनिषद् 3. तैत्तिरीयोपनिषद् - शीक्षावल्ली

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	ईशावास्योपनिषद् (सम्पूर्ण) (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	केनोपनिषद् - प्रथम एवं द्वितीय खण्ड (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	केनोपनिषद् - तृतीय एवं चतुर्थ खण्ड (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	तैत्तिरीयोपनिषद् - शीक्षावल्ली - प्रथम अनुवाक से षष्ठ अनुवाक तक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	तैत्तिरीयोपनिषद् - शीक्षावल्ली - सप्तम अनुवाक से द्वादश अनुवाक तक (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर 2. तैत्तिरीयोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर 3. केनोपनिषद्, जगन्नाथ शास्त्री तैलंग, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली 4. ईशोपनिषद्, परमहंस हरिहरानंद, प्राज्ञ पब्लिकेशन, कोलकाता 5. ईशावास्योपनिषद्, हरस्वरूप वशिष्ठ, हंसा प्रकाशन, जयपुर
सन्दर्भ पुस्तकें	1. उपनिषदों के निर्वचन, वेदवती वैदिक, नाग पब्लिशर्स 2. उपनिषद् योग तत्त्व दर्शन, विनय कुमार शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8007T
पाठ्यक्रम क्रमांक	II
पाठ्यक्रम का नाम	वेदान्त दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	भारतीय दर्शनशास्त्र की वेदान्त दर्शन परंपरा का परिचय एवं प्रमुख ग्रन्थ वेदान्तसार का अधिगम |
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी भारतीय दर्शन शास्त्र की वेदान्त दर्शन परंपरा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी वेदान्त दर्शन के सारभूत ग्रन्थ वेदान्तसार का अधिगम कर सकेंगे। 3. विद्यार्थियों के जीवन में वेदांत दर्शन का प्रभाव हो सकेगा। 4. विद्यार्थियों की अन्य वेदांत ग्रन्थों को पढ़ने की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	सदानन्द कृत वेदान्तसार
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	"अखण्डं सच्चिदानन्दं" से "विविक्तं सल्लक्ष्यमितिचोच्यते" तक। (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	"अस्याज्ञानस्यावरणविक्षेपनामकं शक्तिद्वयम्" से लेकर "एवमध्यारोपः" तक। (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	"अपवादो नाम रज्जुविवर्तस्य" से "स्वप्रभया तदपि भासयतीति" तक। (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	"एवंभूतस्वरूपचैतन्यसाक्षात्कारपर्यन्तं" से अन्त तक। (12 घण्टे)
पंचम इकाई	सदानन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, वेदान्त दर्शन का इतिहास तथा सामान्य परिचय एवं महत्त्व। (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. वेदान्तसार, व्याख्याकार बद्रीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी 2. वेदान्तसार, व्याख्याकार लम्बोदर मिश्र, हंसा प्रकाशन, जयपुर 3. वेदान्तसार, व्याख्याकार रमाशंकर त्रिपाठी, चौखंभा ओरियंटालिया, दिल्ली 4. वेदान्तसार, व्याख्याकार रामशरण त्रिपाठी, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 5. वेदान्तसार, व्याख्याकार गजानन शास्त्री मुसलगांवकर, चौखंबा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय दर्शन, जगदीश चंद्र मिश्र, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन का इतिहास, एस.एन. गुप्त, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8008T
पाठ्यक्रम क्रमांक	III
पाठ्यक्रम का नाम	व्याकरण एवं भाषाविज्ञान
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
उद्देश्य	व्याकरणशास्त्र के समास प्रकरण एवं भाषाविज्ञान का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी व्याकरणशास्त्र के प्रमुख विषय समास का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों की संस्कृत भाषा दक्षता में वृद्धि होगी। 3. विद्यार्थी भाषाविज्ञान के अधिगम से भाषाओं की जननी कही जाने वाली संस्कृत की विशेषताओं को समझ सकेंगे। 4. विद्यार्थी भाषाविज्ञान के अधिगम से विश्वभाषाओं का तुलनात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी का समास प्रकरण 2. भाषाविज्ञान

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी के समास प्रकरण में केवलसमास प्रकरण एवं अव्ययीभावसमास प्रकरण (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी के समास प्रकरण में तत्पुरुषसमास प्रकरण (कर्मधारय एवं द्विगु समास सहित) (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी के समास प्रकरण में बहुव्रीहिसमास प्रकरण, द्वन्द्वसमास प्रकरण एवं समासान्तप्रकरण (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	भाषाविज्ञान के अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन अपेक्षित है - भाषा की परिभाषा, भाषा का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक), ध्वनियों का वर्गीकरण: स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर, स्वर (संस्कृत ध्वनियों के विशेष संदर्भ में), मानवीय ध्वनियंत्र, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम (ग्रिम, ग्रासमान वर्नर) (12 घण्टे)
पंचम इकाई	भाषाविज्ञान के अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन अपेक्षित है - अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, वाक्य का लक्षण व भेद, भारोपीय परिवार का सामान्य परिचय, वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर, भाषा तथा वाक् में अन्तर, भाषा तथा बोली में अन्तर। (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार - गोविंद प्रसाद शर्मा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या- चतुर्थ भाग), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भाषाविज्ञान, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2. भाषाविज्ञान की रूपरेखा, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा क्लासिकल, वाराणसी 3. भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन

	4. संस्कृत व्याकरण, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 5. प्रौढ रचनानुवादकौमुदी, कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 6. संस्कृत व्याकरण निकर, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा क्लासिकल, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8009T
पाठ्यक्रम क्रमांक	IV
पाठ्यक्रम का नाम	व्याकरण दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
उद्देश्य	व्याकरणशास्त्र के दार्शनिक ग्रन्थ महाभाष्य (पश्पशाह्निक) एवं पाणिनीयशिक्षा का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी व्याकरणशास्त्र के दार्शनिक ग्रन्थ महाभाष्य (पश्पशाह्निक) एवं पाणिनीयशिक्षा का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी व्याकरणशास्त्र के प्रयोजनों एवं आधारभूत सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे। 3. विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा का वर्ण-विवेक-ज्ञान उत्पन्न हो सकेगा।
पाठ्यक्रम	1. महाभाष्य पश्पशाह्निक 2. पाणिनीयशिक्षा
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	महाभाष्य पश्पशाह्निक - प्रारम्भ से 'उक्तः शब्दः। स्वरूपमप्युक्तम्। प्रयोजनान्यप्युक्तानि।' तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	महाभाष्य पश्पशाह्निक - 'शब्दानुशासनमिदानीं कर्त्तव्यम्। तत्कथं कर्त्तव्यम्?' से 'तैः पुनरसुरैर्याज्ञे कर्मण्यपभाषितम्, ततस्ते पराभूताः।' तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	महाभाष्य पश्पशाह्निक - 'अथ व्याकरणम् इत्यस्य शब्दस्य कः पदार्थ:?' से समाप्ति तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	पाणिनीयशिक्षा - प्रारम्भ से 30 श्लोक तक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	पाणिनीयशिक्षा - 31वें श्लोक से समाप्ति तक (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. व्याकरणमहाभाष्यम् (पश्पशाह्निकम्), व्याख्याकार रमाकान्त पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 2. व्याकरणमहाभाष्यम् (पश्पशाह्निकम्), व्याख्याकार हरस्वरूप वशिष्ठ, हंसा प्रकाशन, जयपुर 3. व्याकरणमहाभाष्यम्, व्याख्याकार मधुसूदन मिश्र, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 4. पाणिनीयशिक्षा, व्याख्याकार अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 5. पाणिनीयशिक्षा, व्याख्याकार शिवराज आचार्य, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8010T
पाठ्यक्रम क्रमांक	V
पाठ्यक्रम का नाम	महाकाव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Compulsory Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
उद्देश्य	संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवियों का परिचय एवं शिशुपालवध महाकाव्य के प्रथम सर्ग का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवियों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी शिशुपालवध महाकाव्य के प्रथम सर्ग का अधिगम कर सकेंगे। 3. विद्यार्थी 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' की विशेषता वाले महाकवि माघ के काव्यकौशल से परिचित हो सकेंगे। 4. विद्यार्थियों की संस्कृत काव्यपठन की ओर अभिवृद्धि हो सकेगी। 5. विद्यार्थी काव्यपठन से लोकव्यवहार की प्राप्ति एवं रसास्वादन कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. महाकवि माघ विरचित शिशुपालवध महाकाव्य का प्रथम सर्ग

	2. संस्कृत साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	शिशुपालवध प्रथम सर्ग - 1 से 24 पद्य (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	शिशुपालवध प्रथम सर्ग - 25 से 47 पद्य (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	शिशुपालवध प्रथम सर्ग - 48 पद्य से अन्त तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	संस्कृत साहित्य के इतिहास के अन्तर्गत निम्नलिखित कवियों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अध्ययनीय है- भास, अश्वघोष, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, भारवि, माघ (12 घण्टे)
पंचम इकाई	संस्कृत साहित्य के इतिहास के अन्तर्गत निम्नलिखित कवियों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अध्ययनीय है - हर्ष, बाणभट्ट, दण्डी, भवभूति, भट्टनारायण, बिल्हण, श्रीहर्ष एवं अम्बिकादत्त व्यास (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. शिशुपालवध प्रथम सर्ग, कैलाश चंद्र त्रिवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर 2. शिशुपालवध प्रथम सर्ग, श्रद्धा सिंह, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 3. शिशुपालवध प्रथम सर्ग, धुरन्धर पाण्डेय, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी 4. शिशुपालवध, आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
सन्दर्भ पुस्तकें	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी 2. संस्कृतसुकविसमीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भाविद्याभवनप्रकाशन, वाराणसी

	3. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली 4. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय; राधावल्लभ त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 5. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 6. महाकवि माघ महिमा, भास्कर शर्मा श्रोत्रिय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8100T
पाठ्यक्रम क्रमांक	VI
पाठ्यक्रम का नाम	प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुराणेतिहास
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	जी.ई.सी. (Generic Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
उद्देश्य	प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुराणेतिहास का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से प्रेरित हो सकेंगे। 2. विद्यार्थी भारतवर्ष की प्रतिष्ठाद्वय कही जाने वाली संस्कृत और संस्कृति के प्रति उन्मुख हो सकेंगे। 3. विद्यार्थी रामायण, महाभारत एवं पुराणों के आख्यानों से लोकव्यवहार एवं नैतिक शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. प्राचीन भारतीय संस्कृति 2. रामायण 3. महाभारत 4. पुराण
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	प्राचीन भारतीय संस्कृति - वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ, ऋण, पञ्चमहायज्ञ (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	प्राचीन भारतीय संस्कृति - संस्कार, विवाह, प्राचीन विद्या केन्द्र एवं शिक्षा, भारतीय संस्कृति का विस्तार, विशेषताएँ एवं महत्त्व (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	रामायण - रचनाकार, रचनाकाल, विषयवस्तु, रामायणकालीन संस्कृति व समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणा स्रोत, साहित्यिक महत्त्व, रामायण में आख्यान (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	महाभारत - रचनाकार, रचनाकाल, विषयवस्तु, महाभारतकालीन संस्कृति व समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणा स्रोत, साहित्यिक महत्त्व, महाभारत में आख्यान (12 घण्टे)
पंचम इकाई	पुराण - अर्थ, लक्षण, विषयवस्तु, पुराणों की संख्या तथा विभाजन, रचनाकाल एवं अष्टादश महापुराणों का परिचय (12 घण्टे)
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय संस्कृति, वाई.एस. रमेश, हंसा प्रकाशन, जयपुर 2. भारतीय संस्कृति, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 3. मनुस्मृति, कमलनयन शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 4. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 5. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय; राधावल्लभ त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 6. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 7. रामायण, गीताप्रेस, गोरखपुर

	8. महाभारत, गीताप्रेस, गोरखपुर 9. पुराण-परिशीलन, गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना 10. पुराण विमर्श, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पत्र कूट संख्या	SAN8101T
पत्र क्रमांक	VI
पाठ्यक्रम का नाम	श्रीमद्भगवद्गीता, नीतिकाव्य एवं अनुवाद
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	जी.ई.सी. (Generic Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्तर 7 की उत्तीर्णता
पाठ्यक्रम उद्देश्य	1. विद्यार्थी को सरल एवं रुचिपूर्ण तरीके से संस्कृत सम्भाषण, शुद्ध उच्चारण तथा हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी अनुवाद में दक्षता प्रदान करना। 2. भारतीय संस्कृति एवं ज्ञानपरम्परा के आधारभूत ग्रन्थ श्रीमद्भवगद्गीता के दूसरे अध्याय के माध्यम से विद्यार्थी को संस्कृत भाषाज्ञान एवं नैतिक मूल्यों की शिक्षा प्रदान करना। 3. संस्कृत साहित्य के प्रसिद्ध सुभाषित ग्रन्थ 'नीतिशतकम्' के माध्यम से विद्यार्थी को संस्कृत भाषाज्ञान एवं जीवनोपयोगी नीतिशिक्षा प्रदान करना।
पाठ्यक्रम के अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण, सम्भाषण एवं लेखन में कुशल होंगे। 2. विद्यार्थी पाठ्यक्रम से इतर संस्कृत ग्रन्थों को भी पढ़ने एवं समझने में समर्थ हो सकेंगे।

	3. संस्कृत भाषा के अवबोध से विद्यार्थी भारतीय संस्कृति को सूक्ष्मता से समझने में सक्षम होंगे। 4. भगवद्गीता के अधिगम से विद्यार्थी सदाचरण एवं दुराचरण का विवेकज्ञान प्राप्त कर सदाचारी बनेंगे। 5. नीतिशिक्षा के अधिगम से विद्यार्थी जीवनोपयोगी व्यवहारिक ज्ञान से युक्त तथा जीवन में आने वाली चुनौतियों से निपटने हेतु दक्ष होंगे।
पाठ्यक्रम	1. श्रीमद्भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय 2. कपिलदेव द्विवेदी विरचित प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी -1 से 17 अभ्यास 3. महाकवि भर्तृहरि विरचित नीतिशतक के कतिपय प्रमुख पद्य
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ (प्रत्येक इकाई हेतु 12 घण्टे)	
प्रथम इकाई	श्रीमद्भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय के प्रारम्भ से 38 श्लोक तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	श्रीमद्भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय में 39वें श्लोक से द्वितीय अध्याय की समाप्ति तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी - 1 से 9 अभ्यास के आधार पर हिन्दी से संस्कृत अनुवाद (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी - 10 से 17 अभ्यास के आधार पर हिन्दी से संस्कृत अनुवाद (12 घण्टे)
पंचम इकाई	महाकवि भर्तृहरि विरचित नीतिशतक के निम्नलिखित पद्यों का अध्ययन अपेक्षित है- 1. दिक्कालाद्यनवच्छिन्नानन्तचिन्मात्रमूर्तये। स्वानुभूत्येकमानाय नमः शान्ताय तेजसे॥ 2. बोद्धारो मत्सरग्रस्ताः प्रभवः स्मयदूषिताः। अबोधोपहतश्चान्ये जीर्णमङ्गे सुभाषितम्॥ 3. अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः। ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्माऽपि तं नरं न रञ्जयति॥

4. साहित्यसङ्गीतकलाविहीन: साक्षात्पशु:
पुच्छविषाणहीन:।
तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम्॥
5. येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो
न धर्म:।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥
6. वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरै: सह।
न मूर्खजनसम्पर्क: सुरेन्द्रभवनेष्वपि॥
7. केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वला
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजा:।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्॥
8. विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं
विद्या भोगकरी यश:सुखकरी विद्या गुरूणां गुरु:।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परं दैवतं
विद्या राजसु पूजिता न तु धनं विद्याविहीन: पशु:॥
9. जाड्यं धियो हरति सिञ्चति वाचि सत्यं मानोन्नतिं
दिशति पापमपाकरोति।
चेत: प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिं सत्संगति: कथय
किं न करोति पुंसाम्॥
10. प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचै: प्रारभ्य विघ्नविहता
विरमन्ति मध्या:।
विघ्नै: पुन: पुनरपि प्रतिहन्यमाना: प्रारभ्य तूत्तमजना:
न परित्यजन्ति॥
11. परिवर्तिनि संसारे मृत: को वा न जायते।
स जातो येन जातेन याति वंश: समुन्नतिम्॥
12. यस्यास्ति वित्तं स नरः कुलीनः स पण्डितः स श्रुतवान्
गुणज्ञः।
स एव वक्ता स च दर्शनीयः सर्वे गुणाः
काञ्चनमाश्रयन्ति॥
13. दानं भोगो नाशस्तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य।
यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति॥
14. दुर्जन: परिहर्त्तव्यो विद्ययाऽलङ्कृतोऽपि सन्।

	मणिना भूषित: सर्प: किमसौ न भयङ्कर:॥ 15.आरम्भगुर्वी क्षयिणी क्रमेण लघ्वी पुरा वृद्धिमती च पश्चात्। दिनस्य पूर्वार्धपरार्धभिन्ना छायेव मैत्री खलसज्जनानाम्॥ 16.मृगमीनसज्जनानां तृणजलसंतोषविहितवृत्तीनाम्। लुब्धकधीवरपिशुना निष्कारणवैरिणो जगति॥ 17.विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा सदसि वाक्पटुता युधि विक्रम:। यशसि चाभिरुचिर्व्यसनं श्रुतौ प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम्॥ 18.श्रोत्रं श्रुतेनैव न कुण्डलेन दानेन पाणिर्न तु कङ्कणेन। विभाति काय: करुणापराणां परोपकारैर्न तु चन्दनेन॥ 19.पापान्निवारयति योजयते हिताय गुह्यञ्च गूहति गुणान्प्रकटीकरोति। आपद्गतञ्च न जहाति ददाति काले सन्मित्रलक्षणमिदं प्रवदन्ति सन्त:।। 20.निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु लक्ष्मी: समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्। अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा न्यायात्पथ: प्रविचलन्ति पदं न धीरा:॥ 21.आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपु:। नास्त्युद्यमसमो बन्धु: कुर्वाणो नावसीदति॥ 22.छिन्नोऽपि रोहति तरु: क्षीणोऽप्युपचीयते पुनश्चन्द्र:। इति विमृशन्त: सन्त: संतप्यन्ते न ते विपदा॥ 23.वने रणे शत्रुजलाग्निमध्ये महार्णवे पर्वतमस्तके वा। सुप्तं प्रमत्तं विषमस्थितं वा रक्षन्ति पुण्यानि पुरा कृतानि॥ 24.को लाभो गुणिसङ्गम: किमसुखं प्राज्ञेतरै: सङ्गति: का हानि: समयच्युतिर्निपुणता का धर्मतत्त्वे रति:। क: शूरो विजितेन्द्रिय: प्रियतमा काऽनुव्रता किं धनं विद्या किं सुखमप्रवासगमनं राज्यं किमाज्ञाफलम्॥ (12 घण्टे)

पाठ्यपुस्तकें	1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2. श्रीमद्भगवद्गीता (पदच्छेद, अन्वय एवं साधारण भाषाटीका सहित), जयदयाल गोयन्दका, गीताप्रेस, गोरखपुर 3. नीतिशतकम् (भर्तृहरि), नरेश झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 4. नीतिशतकम् (भर्तृहरि), राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
ई संसाधन	epustakalay.com